HINDUSTAN

लखनऊ विश्वविद्यालय ने बूस्ट पुरस्कारों का किया ऐलान

एलयू 62 शोधार्थियों, 58 शिक्षकों को देगा सम्मान

घोषणा

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए बूस्ट योजना के तहत कई श्रेणियों में पुरस्कारों की घोषणा कर दी है। एलयू प्रशासन ने उद्दीपन, प्रोत्साहन और एक्लेम श्रेणियों में 100 से ज्यादा शिक्षकों और शोधार्थियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित करने को नामों की सूची जारी की है।

इस सूची को विवि की आधिकारिक वेबसाइट पर देखा जा सकता है। इसके मुताबिक 62 शोधार्थियों व 50 शिक्षकों को उद्दीपन, सात शिक्षकों को प्रोत्साहन और एक शिक्षक को एक्लेम पुरस्कार से नवाजा जाएगा।

कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने कहा कि यह पहल विश्वविद्यालय की उस प्रतिबद्धता का हिस्सा है जो शिक्षण, शोध और नवाचार को उच्च स्तर तक ले जाने के लिए की जा रही है। उन्होंने कहा कि बूस्ट पुरस्कार केवल सम्मान नहीं बल्कि यह हमारे शिक्षकों और शोधार्थियों की अकादमिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहन देने का माध्यम हैं। इनसे मनोबल बढ़ता है।

20 हजार राशि प्रोत्साहन पुरस्कार विजेता को शोध के लिए मिलती है

11 सौ रुपये और प्रमाण पत्र उद्दीपन पुरस्कार विजेताओं को मिलेंगे

इनको मिले पुरस्कार

उद्दीपन पुरस्कार

50 शिक्षकों और 62 शोधार्थियों को उद्दीपन पुरस्कार के लिए चुना गया है। इन सभी ने विज्ञान, शिक्षा और सामाजिक अध्ययन में उच्च गुणवत्ता का कार्य प्रस्तुत किया है। अनुसंधान और शिक्षण के जरिए लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को राष्ट्रीय स्तर पर बखूबी स्थापित किया है।

अक्लेम पुरस्कार

उर्दू विभाग के डॉ. फाजिल अहसन हाशमी को उनकी पुस्तक 'केतु विश्वनाथ रेड्डी की कहानियां' के लिए सम्मानित किया गया। उन्हें पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी ने शाह मकबूल अहमद अवॉर्ड से नवाजा था। अक्लेम विजेता को सम्मान प्रमाणपत्र, पांच हजार प्रोत्साहन राशि और पदक मिलेगा।

प्रोत्साहन पुरस्कार सात शिक्षकों को नवाचारपरक शोध के लिए चयनित किया गया है। वनस्पति विज्ञान के डॉ. अजय सिंह, डॉ. आशा, डॉ. नेहा साहू व डॉ. सुषमा मिश्रा इनमें शामिल हैं। इनके शोध कार्यों में नैनोपार्टिकल्स से मिट्टी की गुणवत्ता सुधार, औषधीय पौधों की जैव सक्रियता का मूल्यांकन और फ्लावोनॉइड्स संवर्धन शामिल हैं। रसायन विज्ञान विभाग से डॉ. भरत कुमार व डॉ. रमेश चंद्रा को ऊर्जा भंडारण और जल शोधन पर आधारित परियोजनाओं के लिए चुना गया जबकि प्राणिशास्त्र विभाग की डॉ. निधि मिश्रा को वायु प्रदूषण के अध्ययन के लिए सम्मानित किया गया।

DAINIK JAGRAN

स्नातक विषम सेमेस्टर परीक्षाएं 25 से

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने गुरुवार देर शाम स्नातक तीसरे व पांचवें सेमेस्टर का प्रस्तावित परीक्षा कार्यक्रम वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ पर जारी कर दिया। इसकी परीक्षाएं 25 नवंबर से होंगी। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि परीक्षा कार्यक्रम पर ई-मेल coe@lkouniv.ac.in अथवा वाट्सअप नंबर 7991200506 पर छह नवंबर को शाम पांच बजे तक सुझाव दिए जा सकते हैं।

बी.ए तीसरे सेमेस्टर (एनईपी) की परीक्षाएं 25 नवंबर से 18 दिसंबर तक, पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 25 नवंबर से छह जनवरी तक तय हैं। बी.एससी (होम साइंस)/सीएनडी, तीसरे सेमेस्टर (एनईपी) की परीक्षाएं 25 नवंबर से आठ दिसंबर, पांचवें सेमेस्टर की 26 नवंबर से पांच दिसंबर तक होंगी। बी.एससी तीसरे सेमेस्टर एवं बी.ए तीसरे सेमेस्टर (एंथ्रोपोलाजी, स्टैटिस्टिक्स, मैथमेटिक्स) एनईपी की परीक्षाएं 25 नवंबर से 22 दिसंबर, बी.ए पांचवें सेमेस्टर (एंथ्रोपोलाजी, स्टैटिस्टिक्स, मैथमेटिक्स) रेगुलर, इम्प्रूवमेंट की परीक्षा 25 नवंबर से 24 दिसंबर प्रस्तावित की गई हैं। बी.काम तीसरे सेमेस्टर (एनईपी) की परीक्षाएं 26 नवंबर से आठ दिसंबर और पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 27 नवंबर से छह दिसंबर तक होंगी।

परीक्षा केंद्र बनाने की प्रक्रिया शुरू : लवि ने विषम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए केंद्रों और नोडल केंद्रों के निर्धारण की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। कालेजों को पत्र जारी कर प्राचार्य का नाम, अनुमोदित शिक्षकों की संख्या, सीसी कैमरे, कक्षों की संख्या सहित अन्य सूचनाएं छह नवंबर तक देने के लिए कहा गया है।

आनलाइन कोर्सों के लिए कोआर्डिनेटर तय : लखनऊ विश्वविद्यालय ने आनलाइन लर्निंग प्रोग्राम के संचालन के लिए कोआर्डिनेटर, कोर्स मेंटोर तय कर दिए हैं। बीबीए, एमबीए के लिए प्रोग्राम कोआर्डिनेटर डा. उरूज अहमद सिद्दीकी, बी.काम व एम.काम के आनलाइन कोर्स के लिए प्रोग्राम कोआर्डिनेटर कामर्स विभाग के डा. अमित मिश्रा को जिम्मेदारी दी गई है।

शोध पुरस्कार :118 शिक्षक व शोधार्थी चयनित

लखनऊ विश्वविद्यालय ने जारी की बूस्ट पुरस्कार-2023-24 के लिए चयन सूची

जागरण प्रभाव

बूस्ट योजना लवि की अकादमिक संस्कृति को और सशक्त बनाएगी। इससे शिक्षकों को प्रेरणा मिलेगी और युवा शोधार्थियों के लिए अनुसंधान की नई दिशाएं खुलेंगी।
प्रो. मनुका खन्ना, कुलपति, लवि

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने आखिरकार बूस्ट (बिल्डिंग आपर्च्युनिटीज फार आउटस्टैंडिंग स्कालरशिप एंड टीचिंग) योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट शोध कार्यों एवं नवाचारों के लिए पुरस्कारों की घोषणा कर दी। **दैनिक जागरण ने 29 अक्टूबर के अंक में 'दो साल से नहीं बांटे गए शोध पुरस्कार' शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी, जिसके बाद गुरुवार को सत्र 2023-24 की चयन सूची जारी कर दी गई। इसमें उद्दीपन, प्रोत्साहन और अक्लेम श्रेणी में विश्वविद्यालय के 118 वरिष्ठ शिक्षकों व शोधार्थियों को चुना गया है। इन्हें स्थापना दिवस सप्ताह के दौरान कार्यक्रम में यह पुरस्कार दिए जाएंगे।**

उद्दीपन पुरस्कार : इस वर्ष 50 वरिष्ठ शिक्षकों को उद्दीपन पुरस्कार के लिए चुना गया है। इन सभी ने अपने-अपने क्षेत्रों में अनुसंधान और शिक्षण के माध्यम से विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया है। वहीं, शोधार्थियों की श्रेणी में भी 60 नामों का चयन किया गया, जिन्होंने विज्ञान, शिक्षा और सामाजिक अध्ययन के क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता का कार्य प्रस्तुत किया है। उद्दीपन पुरस्कार में विजेताओं को ग्यारह सौ रुपये एवं प्रमाण पत्र दिए जाते हैं।

प्रोत्साहन पुरस्कार : इसमें उन शिक्षकों को चुना गया है जो नवाचारपरक अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य कर रहे हैं। प्रोत्साहन पुरस्कार में विजेता को बीस हजार रुपये की धनराशि शोध कार्यों के लिए मिलती है। प्रोत्साहन पुरस्कार (कैटेगिरी-2) के अंतर्गत सात फैकल्टी सदस्यों को चुना गया है, जिनमें वनस्पति विज्ञान विभाग के डा. अजय सिंह, डा. आशा, डा. नेहा साहू और डा. सुषमा मिश्रा शामिल हैं। इनके शोध कार्यों में नैनोपार्टिकल्स के माध्यम से मिट्टी की गुणवत्ता सुधार, औषधीय पौधों की जैव सक्रियता का मूल्यांकन, फ्लावोनाइड्स की संवर्धन जैसी विषयवस्तुएं शामिल हैं।

रसायन विज्ञान विभाग से डा. भरत कुमार और डा. रमेश चंद्रा को ऊर्जा भंडारण व जल शोधन पर आधारित परियोजनाओं के लिए चुना गया है, जबकि जंतु विज्ञान विभाग की डा. निधि मिश्रा को वायु प्रदूषण के जैव प्रभावों पर उनके अध्ययन के लिए सम्मानित किया गया।

एक्लेम पुरस्कार: उर्दू विभाग के डा. फाजिल अहसन हाशमी को उनके साहित्यिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। उन्हें पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी ने 'शाह मकबूल अहमद अवार्ड' से नवाजा था। अक्लेम पुरस्कार में उन्हें 5000 रुपये, पदक व प्रशंसा एवं सम्मान प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

दो साल से नहीं बांटे गए शोध पुरस्कार

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में दो साल से शिक्षकों को दिए जाने वाले शोध पुरस्कार नहीं बांटे गए। यह स्थिति तब है जब 2023-24 के लिए शिक्षकों से आवेदन भी लिए जा चुके हैं। हालांकि अब विश्वविद्यालय का कहना है कि [illegible] दैनिक जागरण में 29 अक्टूबर के अंक में प्रकाशित खबर

सत्र 2024-25 के लिए आवेदन पांच तक

लखनऊ विश्वविद्यालय ने बूस्ट योजना के अंतर्गत सत्र 2024-25 में दिए जाने वाले पुरस्कार के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी। शिक्षक व शोधार्थी पांच नवंबर तक आवेदन कर सकते हैं। इसकी हार्ड कापी ओएनजीसी बिल्डिंग के तीन रिसर्च कार्यालय में जमा की जा सकेगी।

AMAR UJALA

100 से अधिक शिक्षकों व शोधार्थियों को बूस्ट पुरस्कार

माई सिटी रिपोर्टर

लविवि ने की पुरस्कारों की घोषणा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने 100 से अधिक शिक्षकों और शोधार्थियों को अपने प्रतिष्ठित-बूस्ट पुरस्कार 2023-24 से सम्मानित करने की घोषणा की है। पुरस्कार तीन श्रेणियों उद्दीपन, प्रोत्साहन व अक्लेम में दिए जाएंगे।

कार्यक्रम में घोषणा करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने कहा कि बूस्ट पुरस्कार केवल सम्मान नहीं हैं, बल्कि शिक्षण, अनुसंधान और नवाचार को नई दिशा देने की कोशिश है।

प्रोत्साहन पुरस्कार

प्रोत्साहन पुरस्कार उन शिक्षकों को दिया जाएगा जो नवाचार आधारित अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य कर रहे हैं। इस श्रेणी में बॉटनी विभाग से डॉ. अजय सिंह, डॉ. आशा, डॉ. नेहा साहू और डॉ. सुषमा मिश्रा, रसायन विज्ञान विभाग से डॉ. भरत कुमार और डॉ. रमेश चंद्रा तथा जूलॉजी विभाग से डॉ. निधि मिश्रा को चुना गया है। इनके शोध कार्यों में नैनोपार्टिकल्स से मिट्टी की गुणवत्ता सुधार, औषधीय पौधों की जैव सक्रियता, फ्लावोनॉइड्स का संवर्धन, जल शोधन और वायु प्रदूषण के जैव प्रभावों पर अध्ययन जैसे विषय शामिल हैं। प्रत्येक विजेता को 20 हजार रुपये की राशि शोध कार्यों के लिए दी जाएगी।

उर्दू विभाग के डॉ. फाजिल अहसन हाशमी को मिलेगा अक्लेम पुरस्कार

अक्लेम पुरस्कार वर्ष 2023-24 के लिए उर्दू विभाग के डॉ. फाजिल अहसन हाशमी को उनके साहित्यिक योगदान के लिए चुना गया। उन्हें पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी की ओर से 'शाह मकबूल अहमद पुरस्कार' से भी सम्मानित किया जा चुका है। अक्लेम पुरस्कार के अंतर्गत उन्हें पांच हजार रुपये नकद, प्रशंसा पत्र और पदक दिया जाएगा।

- इस वर्ष 50 वरिष्ठ शिक्षकों और 60 शोधार्थियों को उद्दीपन पुरस्कार दिए जाएंगे। इन सभी ने अपने-अपने विषयों में अनुसंधान व शिक्षण के जरिये विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया है। पुरस्कार स्वरूप प्रत्येक विजेता को 1100 रुपये और प्रमाणपत्र दिए जाएंगे।

TOI

LU scholars receive awards for innovation

Times News Network

Lucknow: Brilliance, innovation and dedication took centerstage as Lucknow University announced recipients of its BOOST Awards 2023-24 under the Building Opportunities for Outstanding Scholarship and Teaching (BOOST) initiative. The awards honour faculty members and research scholars who made remarkable contributions to teaching, research and innovation.

Under the Uddeepan category, 50 faculty members and 62 research scholars were recognised for exemplary teaching and research contributions.

Protsahan category celebrated seven faculty members whose innovative projects address real-world challenges. Awardees included Ajey Singh, Asha, Neha Sahu and Sushma Mishra from botany department for their work on soil remediation and medicinal plants, Bharat Kumar and Ramesh Chandra from chemistry department for research on energy storage and water purification and Nidhi Mishra from zoology department for her study on the genotoxic effects of air pollution.

Under the Acclaim category, Fazil Ahsan Hashmi from Urdu department was honoured for his acclaimed literary work 'Ketu Vishwanath Reddy Ki Kahaniyan'.

Vice Chancellor Prof Manuka Khanna said, "BOOST Awards are not just honors, they are a means to encourage academic excellence among our faculty and scholars."

माता-पिता सलाखों के पीछे, कैद में बच्चों के सपने

जासं • लखनऊ : जेल की सलाखों के पीछे सिर्फ एक कैदी नहीं, उसके साथ पूरे परिवार के सपने भी कैद हो जाते हैं। सजा कैदी बने माता-पिता को दी जाती है, लेकिन सपने उनके बच्चों के टूटते हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि विभाग की प्रोफेसर विनीता काचर के निर्देशन में हुए एक ताजा शोध अध्ययन ने इस कड़वी सच्चाई को उजागर किया है। इसकी रिपोर्ट शासन को भेजी जा रही है।

'लखनऊ जिले के विशेष संदर्भ में बाल प्रतिकूलता एवं बाल स्वास्थ्य पर कारावास के प्रभाव पर एक सामाजिक-कानूनी अध्ययन' शीर्षक से सेंटर आफ एक्सीलेंस के तहत हुए इस अध्ययन में राजधानी की केंद्रीय कारागार जेल मोहनलालगंज और जिला जेल में बंद 115 बंदियों (महिला और पुरुष दोनों) को शामिल किया गया। जनवरी और फरवरी 2025 में किए गए अध्ययन का नेतृत्व प्रधान अन्वेषक प्रोफेसर विनीता काचर ने किया। इन जेलों के पहले दौरे में 25, दूसरे में 58 पुरुष कैदियों तथा तीसरे दौरे में सात पुरुष व 25 महिला कैदियों से बातचीत की गई।

कुपोषण और बीमारी की मार : अध्ययन में यह भी सामने आया कि 59 प्रतिशत बच्चे स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं, जिनमें कुपोषण और बार-बार बीमार पड़ना आम है। वहीं, 52 प्रतिशत बच्चों को सामाजिक बहिष्कार और "अपराधी के बच्चे" जैसे कलंक का सामना करना पड़ता है।

इन पर हुआ शोध

अध्ययन में शामिल 115 बंदियों में से 67 प्रतिशत विचाराधीन (अंडर ट्रायल) और 33 प्रतिशत सजायाफ्ता कैदी थे। इनमें हत्या, हत्या का प्रयास, चोरी, जालसाजी, दहेज निषेध अधिनियम, पाक्सो अधिनियम और एनडीपीएस अधिनियम के तहत अपराधों में सजा काट रहे कैदी शामिल थे। यानी, अधिकतर अब तक दोषी सिद्ध भी नहीं हुए, लेकिन उनके परिवार पहले ही सामाजिक सजा भुगत रहे हैं। 98 प्रतिशत कैदियों को अपने बच्चों से मिलने की अनुमति है। कुछ कैदियों ने बताया कि ये मुलाकातें भावनात्मक रूप से संतोषजनक नहीं होतीं, क्योंकि उनमें शीशे की दीवारें, सीमित समय और औपचारिकता की बाधाएं होती हैं। चिंताजनक बात यह भी रही कि सिर्फ 18 प्रतिशत कैदी ही अपने बच्चों के लिए किसी सरकारी कल्याण योजना या कानूनी सहायता के बारे में जानते थे।

115 बंदियों पर लखनऊ की दो जेलों में लवि के विधि विभाग की प्रोफेसर ने किया अध्ययन

भावात्मक आघात से जूझ रहे 78 प्रतिशत कैदियों के बच्चे

प्रोफेसर विनीता काचर की ओर से तैयार रिपोर्ट बताती है कि 78 प्रतिशत कैदियों के बच्चे भावनात्मक आघात से जूझ रहे हैं। माता या पिता के जेल में होने के कारण इन बच्चों में चिंता, उदासी, गुस्सा और असुरक्षा की भावना गहराई तक घर कर गई है। इतना ही नहीं, 64 प्रतिशत बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई है। कई बच्चे आर्थिक तंगी और सामाजिक तिरस्कार के कारण स्कूल छोड़ने पर मजबूर हैं।

बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और पुर्नावास पर बने अलग नीति

प्रो. काचर ने बताया कि ये बच्चे अपराधी नहीं, बल्कि न्याय-प्रणाली के अनदेखे शिकार हैं। उन्होंने सरकार से ऐसी नीतियां बनाने का सुझाव रखा है जो कैदियों के बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा और पुर्नवास पर केंद्रित हों। अध्ययन का आगामी चरण कैदियों के परिवारों और उन बच्चों के साथ प्रत्यक्ष साक्षात्कार पर केंद्रित होगा जो रिश्तेदारों या बाल देखभाल गृहों में रह रहे हैं।

लविवि: स्नातक विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से शैक्षिक सत्र 2025-26 के स्नातक के तीसरे और पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाओं का अनंतिम कार्यक्रम बृहस्पतिवार को जारी किया गया।

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि इन विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं 25 नवंबर से शुरू होकर छह जनवरी तक चलेंगी। वेबसाइट lkouniv.ac.in पर कार्यक्रम है। प्रवक्ता मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि पहली पाली की परीक्षा सुबह 8:30 से 10:30 बजे तक और दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 2:30 से सायं 4:30 बजे तक होगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

परीक्षा कार्यक्रम एक नजर में

कोर्स	सेमेस्टर	तारीख
बीए	तीसरा	25 नवंबर से 18 दिसंबर
बीकॉम	तीसरा	26 नवंबर से 8 दिसंबर
बीएससी	तीसरा	25 नवंबर से 22 दिसंबर
बीए	पांचवां	25 नवंबर से 6 जनवरी
बीएससी	पांचवां	26 नवंबर से 24 दिसंबर
बीएससी होम साइंस	पांचवां	26 नवंबर से 5 दिसंबर

छात्राओं को लगा स्वदेशी टीका

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बृहस्पतिवार को ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) टीकाकरण अभियान का दूसरा चरण चला। बृहस्पतिवार को कुलपति प्रो. मनुका खन्ना के संरक्षण व प्रो. ऋषि त्रिपाठी की अगुवाई में विश्वविद्यालय के दूसरे परिसर में कार्यक्रम हुआ। 15 से 26 वर्ष की आयु वर्ग की बड़ी छात्राओं ने निशुल्क टीकाकरण में हिस्सा लिया। सेरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया और आईसीआईसीआई बैंक के सहयोग से हुए कार्यक्रम में छात्राओं को भारत का पहला स्वदेशी एचपीवी टीका सर्वावैक लगाया गया। साथ ही रोक, रक्षा एवं और चिकित्सा करने के महत्व से सभी प्रतिभागियों को आईसीआई फौंडेशन किट भी दी गई। (माई सिटी रिपोर्टर)

HPV free vax drive held at LU

Lucknow University conducted second phase of its free Human Papillomavirus (HPV) vaccination campaign at the Institute of Pharmaceutical Sciences, Second Campus on Thursday. The initiative aims to protect young women aged 15–26 from cervical cancer and promote awareness about women's health and preventive care. Vice Chancellor Prof Manuka Khanna said, "The initiative reflects varsity's commitment to safeguarding women's health."

AMRIT VICHAR

छात्राओं को लगा पहला एचपीवी टीका

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय में एचपीवी टीकाकरण अभियान का द्वितीय चरण संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम फार्मास्यूटिकल साइंसेज संस्थान, द्वितीय परिसर में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य गर्भाशय ग्रीवा कैंसर सहित एचपीवी से होने वाले अन्य संक्रमणों से बचाव करना है।

इस अभियान में 15 से 26 वर्ष की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया और आईसीआईसीआई बैंक के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में देश का पहला स्वदेशी एचपीवी टीका 'सर्वावैक' लगाया गया। संस्थान आने वाले महीनों में तीसरे और अंतिम डोज के आयोजन की योजना बना रहा है।

टीकाकरण अभियान के अवसर पर कुलपति प्रो. मनुका खन्ना व अन्य।

• गर्भाशय ग्रीवा कैंसर और अन्य संक्रमणों से होगा बचाव

कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि एचपीवी टीकाकरण महिलाओं के स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में अहम कदम है। निदेशक प्रो. पुष्पेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने बताया कि यह अभियान विश्वविद्यालय की स्वास्थ्य संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रतीक है। छात्राओं दीपाली सिंह, प्रीति यादव, गोधूलि शर्मा और सताक्षी श्रीवास्तव ने कहा कि उन्होंने टीका लगवाकर न केवल स्वयं को सुरक्षित किया बल्कि समाज में जागरूकता का संदेश भी दिया।

शिक्षकों-शोधार्थियों को मिलेंगे बूस्ट पुरस्कार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए अपनी महत्वाकांक्षी योजना 'बूस्ट' (उत्कृष्ट शोध एवं शिक्षण के अवसर निर्माण योजना) के अंतर्गत विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कारों की घोषणा की है। इसके तहत उत्कृष्ट शिक्षकों और शोधार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। उद्दीपन, प्रोत्साहन और अक्लेम श्रेणियों में कुल सौ से अधिक शिक्षकों और शोधार्थियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मान प्रदान किया जाएगा।

उद्दीपन पुरस्कार 2023-24- इस वर्ष 50 वरिष्ठ शिक्षकों को उद्दीपन पुरस्कार के लिए चुना गया है। इन सभी ने अपने-अपने विषयों में अनुसंधान और शिक्षण के माध्यम से विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया है। शोधार्थियों की श्रेणी में भी 60 नामों को उद्दीपन पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इन शोधार्थियों ने विज्ञान, शिक्षा और सामाजिक अध्ययन के क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता का कार्य किया है। विजेताओं को 1100 रुपये और प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।

प्रोत्साहन पुरस्कार 2023-24- इस श्रेणी में उन शिक्षकों को चुना गया है जो नवाचारी अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य कर रहे हैं। विजेताओं को 20 हजार रुपये की राशि शोध कार्यों के लिए दी जाएगी। इस वर्ष सात शिक्षकों को यह पुरस्कार मिलेगा। इनमें वनस्पति विज्ञान विभाग से डॉ. अजय सिंह, डॉ. आशा, डॉ. नेहा साहू और डॉ. सुषमा मिश्रा शामिल हैं। इनके शोध कार्य नैनो कणों से मिट्टी की गुणवत्ता सुधार, औषधीय पौधों की जैव सक्रियता का मूल्यांकन और फ्लावोनॉयड्स के संवर्धन पर केंद्रित हैं।

रसायन विभाग से डॉ. भरत कुमार और डॉ. रमेश चंद्र को ऊर्जा भंडारण और जल शोधन पर आधारित परियोजनाओं के लिए चुना गया है, जबकि प्राणी विज्ञान विभाग की डॉ. निधि मिश्रा को वायु प्रदूषण के जैव प्रभावों पर अध्ययन के लिए सम्मानित किया जाएगा।

अक्लेम पुरस्कार 2023-24- उर्दू विभाग के डॉ. फाजिल अहसन हाशमी को उनके साहित्यिक योगदान के लिए अक्लेम पुरस्कार दिया जाएगा। उन्हें पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी द्वारा "शाह मकबूल अहमद पुरस्कार" भी मिल चुका है। यह सम्मान उनकी पुस्तक 'केतु विश्वनाथ रेड्डी की कहानियां' पर आधारित है। उन्हें पांच हजार रुपये, प्रशंसा पत्र और सम्मान प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।

• लविवि ने विभिन्न श्रेणियों में की पुरस्कारों की घोषणा

यह पहल विश्वविद्यालय की उस प्रतिबद्धता का हिस्सा है जो शिक्षण, अनुसंधान और नवाचार को उच्च स्तर तक ले जाने के लिए की जा रही है। पुरस्कार केवल सम्मान नहीं, बल्कि यह शिक्षकों और शोधार्थियों की शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहन देने का माध्यम है।
- प्रो. मनुका खन्ना
कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय

लविवि में परीक्षा कार्यक्रम घोषित

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर (बीए, बीएससी, बीएचएससी, बीकॉम) विषम सेमेस्टर-2025 की परीक्षाओं का अनंतिम कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। परीक्षाओं का विस्तृत कार्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि परीक्षा कार्यक्रम से संबंधित किसी भी सुझाव को 6 नवंबर की शाम 5 बजे तक परीक्षा नियंत्रक की ईमेल या व्हाट्सऐप नंबर 7991200506 पर भेजा जा सकता है। सुझावों पर विचार करने के बाद अंतिम परीक्षा कार्यक्रम जारी किया जाएगा।

NBT

शिक्षकों और शोधार्थियों का सम्मान

NBT रिपोर्ट, लखनऊ: लखनऊ यूनिवर्सिटी ने अपने प्रतिष्ठित बूस्ट पुरस्कार 2023-24 की घोषणा करते हुए सौ से अधिक शिक्षकों और शोधार्थियों को सम्मानित किया। यह पुरस्कार विवि की महत्वाकांक्षी योजना बिल्डिंग ऑपर्च्यूनिटीज फॉर आउटस्टैंडिंग स्कॉलरशिप एंड टीचिंग के तहत तीन श्रेणियों उद्दीपन, प्रोत्साहन और अक्लेम में दिए गए।

बूस्ट पुरस्कार 2023-24 के तहत हुए सम्मानित

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने कहा कि बूस्ट पुरस्कार केवल सम्मान नहीं, बल्कि शिक्षण, अनुसंधान और नवाचार को नई दिशा देने का प्रयास है। उद्दीपन पुरस्कार के तहत 50 वरिष्ठ शिक्षकों और 60 शोधार्थियों को उनके विषयों में योगदान के लिए ग्यारह सौ रुपये और प्रमाणपत्र दिए गए। प्रोत्साहन पुरस्कार नवाचार आधारित अनुसंधान पर कार्य करने वाले शिक्षकों को दिया गया। इस श्रेणी में बॉटनी विभाग के डॉ. अजय सिंह, डॉ. आशा, डॉ. नेहा साहू, डॉ. सुषमा मिश्रा, रसायन विज्ञान विभाग के डॉ. भरत कुमार, डॉ. रमेश चंद्रा और जूलॉजी विभाग की डॉ. निधि मिश्रा को चुना गया। इनके कार्यों में नैनोपार्टिकल्स से मिट्टी की गुणवत्ता सुधार, औषधीय पौधों की जैव सक्रियता, जल शोधन और वायु प्रदूषण पर अध्ययन जैसे विषय शामिल हैं। प्रत्येक विजेता को 20 हजार रुपये शोध कार्य के लिए दिए गए। उर्दू विभाग के डॉ. फ़ाज़िल अहसन हाशमी को उनके साहित्यिक योगदान के लिए अक्लेम पुरस्कार दिया गया। उन्हें पांच हजार रुपये और पदक दिया गया।